बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, बिहार

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या- 35/2026 **दिनांक- 08 मई, 2026**

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(13-17 मई, 2026)

बिहार कृषि विश्वविद्यालय ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 13-17 मई के दौरान जिले में एक- दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ आंधी (50–60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं), चलने एवं हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है।अधिकतम तापमान 34-36 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 23-24 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70-75 प्रतिशत तथा दोपहर में 30-40 प्रतिशत रहने की संभावना है। पूर्वानुमान की अवधि में 10-16 किमी/घंटा की रप्तार से पूरबा हवा चलने की संभावना है।

फसल	समसामयिक सुझाव
सामान्य सलाह	आगामी दिनों में वर्षा की संभावना को देखते हुए खेत में कटी हुई फसलों को सुरक्षित स्थान पर ढककर रखें। खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें एवं खाद, कीटनाशक का छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
गरमा मूंग एवं उरद	मूंग एवं उरद की फसल मे रस चूसक कीट माहु, हरा फुदका, सफेद मक्खी व थ्रीप्स कीट की निगरानी करें। बचाव हेतुमैलाथियान 50 ई0सी0 या डाइमेथोएट 30 ई0सी0 का 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से फसल मे छिड़काव वर्षा न होने की स्थिति में करें।
सब्जियाँ	फल मक्खी लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसल को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही 1 किलोग्राम छोआ, 2 लीटर मैलाथियान 50 ई0सी0 को 1000 लीटर पानी मे घोल कर 15 दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव वर्षा न होने की स्थिति में करे। भिन्डी की फसल को लीफ हाॅपर कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियाँन/1.5 से 2 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से छिड़काव करें। गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई-गुड़ाई करें।
बागवानी	आम के बागों में फल मक्खी के प्रबन्धन के लिए "फ्रूट फ्लाई ट्रैप" स्थापित करें । प्रति हेक्टेयर 15-20 फरोमैन ट्रैप लगाकर फ्रूट फ्लाई मक्खी को प्रबंधित किया जा सकता है। इन ट्रैपो को निचली शाखाओं पर 4 से 6 फिट की ऊंचाई पर बांधना चाहिए।एक ट्रैप से दूसरे ट्रैप के बीच में 35 मीटर की दूरी रखे । ट्रैप को कभी भी सीधे सूर्य की किरणों में नहीं रखे । ट्रैप को आम की बहुत घनी शाखाओ के बीच में नहीं बाधना चाहिए । ट्रैप बाग में स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए की कहा बाधा गया है । ट्रैप बांधने की अवस्था फल पकने से 60 दिन से पहले होना चाहिए और 6 से 10 सप्ताह के अंतराल पर नर की सुगंध बदलते रहना चाहिए।
पशुपालन	ब्याँने वाले पशुओं को प्रसूति बुखार से बचाने के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम प्रतिदिन दें एवं दूध देने वाले पशु को खनिज मिश्रण 10 ग्राम/लीटर दूध की दर से दें। गाय को 400 ग्राम दाना / किलो दुध उत्पादन एवं भैस का 500 ग्राम दाना / किलो दुध उत्पादन की दर से दें। हरा चारा 20-25 किलो/पशु/ दिन जरुर खिलाये।